



Slide 1

**2 Peter**



 **Dr. Andy Woods**  
Senior Pastor – Sugar Land Bible Church  
President – Chafer Theological Seminary

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 2

**INTRODUCTORY MATTERS**

- Authorship: Peter
- Biography: Gospels & Acts
- Date: A.D. 64
- Recipients: Regenerated, Asia Minor, Hebrews
- Place of writing: Babylon
- Occasion for writing: Incipient Gnosticism
- Purpose: Insulation from false teaching
- Structure: 3 parts
- Message: Protection from false teachers
- Unique characteristics: Knowledge



---

---

---

---

---

---

---


---

---

---

Slide 3

**STRUCTURE**



- 2 Peter 1 – Call to maturity
- 2 Peter 2 – Characteristics of false teachers
- 2 Peter 3 – Doctrine of the false teachers (uniformitarianism)

---

---

---

---

---

---

---


---

---

---

Slide 4

**STRUCTURE**



- **2 Peter 1 – Call to maturity**
- 2 Peter 2 – Characteristics of false teachers
- 2 Peter 3 – Doctrine of the false teachers (uniformitarianism)

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 5

**2 PETER**

**Chapter 1**



- Introduction (1:1-2)
- Call to Growth (1:3-11)
- Purpose Statement (1:12-15)
- Coming kingdom (1:16-21)

---

---

---

---

---

---

---


---

---

---

Slide 6

**STRUCTURE**



- 2 Peter 1 – Call to maturity
- **2 Peter 2 – Characteristics of false teachers**
- 2 Peter 3 – Doctrine of the false teachers (uniformitarianism)

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 7

2 PETER

Characteristics of false teachers  
(2 Peter 2)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 8

2 PETER 2 OUTLINE

1. Predicted arrival (2:1a)
2. Devices (2:1b-3)
3. Doom (2:4-9)
4. Depravity (2:10-16)
5. Emptiness (2:17-19)
6. Regression (2:20-22)

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 9

2 PETER 2 OUTLINE

1. Predicted arrival (2:1a)
2. Devices (2:1b-3)
3. Doom (2:4-9)
4. Depravity (2:10-16)
5. Emptiness (2:17-19)
6. Regression (2:20-22)

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 10

DEVICES OF FALSE TEACHERS  
V. 1b-3

- False Teaching (1b)
- License (2)
- **Greed (3a)**
- Exploit the Flock (3b)
- False words (3c)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 11

DEVICES OF FALSE TEACHERS  
V. 1b-3

- False Teaching (1b)
- License (2)
- Greed (3a)
- **Exploit the Flock (3b)**
- False words (3c)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 12

DEVICES OF FALSE TEACHERS  
V. 1b-3

- False Teaching (1b)
- License (2)
- Greed (3a)
- Exploit the Flock (3b)
- **False words (3c)**



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 13

**2 PETER 2 OUTLINE**

- 1. Predicted arrival (2:1a)
- 2. Devices (2:1b-3)
- 3. **Doom (2:4-9)**
- 4. Depravity (2:10-16)
- 5. Emptiness (2:17-19)
- 6. Regression (2:20-22)

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 14

**DOOM OF FALSE TEACHERS**  
V.4-9

- Judgment of God (6-8) – 3 Historical Examples
  - ◆ Fallen angels (4)
  - ◆ Flood (5)
  - ◆ Sodom & Gomorrah (6-8)
- Conclusion (9)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 15

**DOOM OF FALSE TEACHERS**  
V.4-9

- Judgment of God (6-8) – 3 Historical Examples
  - ◆ Fallen angels (4)
  - ◆ Flood (5)
  - ◆ Sodom & Gomorrah (6-8)
- Conclusion (9)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 16

**DOOM OF FALSE TEACHERS**  
V.4-9

- Judgment of God (6-8) – 3 Historical Examples
  - ◆ Fallen angels (4)
  - ◆ Flood (5)
  - ◆ Sodom & Gomorrah (6-8)
- Conclusion (9)



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 17

**2 Peter 2:4-5**

“<sup>4</sup> For if God did not spare angels when they sinned, but cast them into hell and committed them to pits of darkness, reserved for judgment; <sup>5</sup> and did not spare the ancient world, but preserved Noah, a preacher of righteousness, with seven others, when He brought a flood upon the world of the ungodly.”



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 18

**Genesis 6:1-4**

“<sup>1</sup> Now it came about, when men began to multiply on the face of the land, and daughters were born to them, <sup>2</sup> that the sons of God saw that the daughters of men were beautiful; and they took wives for themselves, whomever they chose. <sup>3</sup> Then the Lord said, ‘My Spirit shall not strive with man forever, because he also is flesh; nevertheless his days shall be one hundred and twenty years.’ <sup>4</sup> The Nephilim were on the earth in those days, and also afterward, when the sons of God came in to the daughters of men, and they bore children to them. Those were the mighty men who were of old, men of renown.”



---

---

---

---

---

---

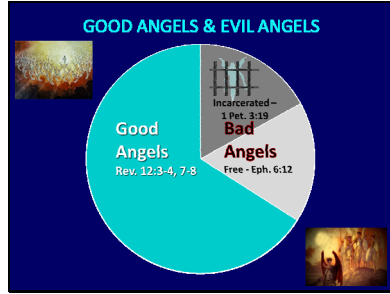
---

---

---

---

Slide 19



---

---

---

---

---

---

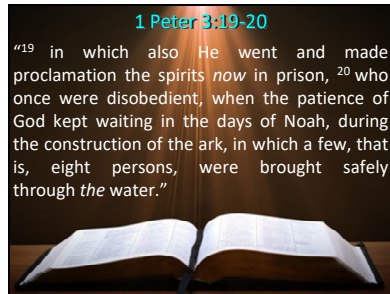
---

---

---

---

Slide 20



---

---

---

---

---

---

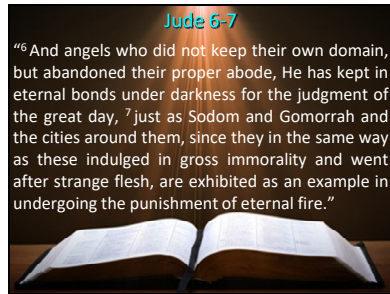
---

---

---

---

Slide 21



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 22

**DOOM OF FALSE TEACHERS**  
V.4-9

- Judgment of God (6-8) – 3 Historical Examples
  - ◆ Fallen angels (4)
  - ◆ **Flood (5)**
  - ◆ Sodom & Gomorrah (6-8)
- Conclusion (9)



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 23

**2 Peter 2:4-5**

*"<sup>4</sup> For if God did not spare angels when they sinned, but cast them into hell and committed them to pits of darkness, reserved for judgment; <sup>5</sup> and did not spare the ancient world, but preserved Noah, a preacher of righteousness, with seven others, when He brought a flood upon the world of the ungodly."*



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 24

**1 Peter 3:19-20**

*"<sup>19</sup> in which also He went and made proclamation the spirits *now* in prison, <sup>20</sup> who once were disobedient, when the patience of God kept waiting in the days of Noah, during the construction of the ark, in which a few, that is, eight persons, were brought safely through *the water*."*



---

---

---

---

---

---

---

---

---


---



Slide 25

**DOOM OF FALSE TEACHERS**  
V.4-9

- Judgment of God (6-8) – 3 Historical Examples
  - ◆ Fallen angels (4)
  - ◆ Flood (5)
  - ◆ **Sodom & Gomorrah (6-8)**
- Conclusion (9)



---

---

---

---

---

---

---

---

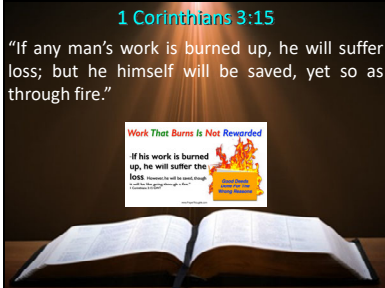
---

---

Slide 26

**1 Corinthians 3:15**

“If any man’s work is burned up, he will suffer loss; but he himself will be saved, yet so as through fire.”



---

---

---

---

---

---

---

---

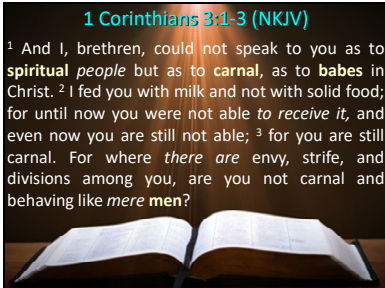
---

---

Slide 27

**1 Corinthians 3:1-3 (NKJV)**

<sup>1</sup> And I, brethren, could not speak to you as to *spiritual people* but as to carnal, as to *babes* in Christ. <sup>2</sup> I fed you with milk and not with solid food; for until now you were not able to *receive it*, and even now you are still not able; <sup>3</sup> for you are still carnal. For where *there are* envy, strife, and divisions among you, are you not carnal and behaving like *mere men*?



---

---

---

---

---

---

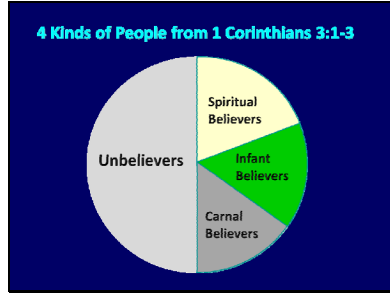
---

---

---

---

Slide 28



---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 29

YIELDING TO THE OLD (SIN) NATURE	
BELIEVER'S CONSEQUENCES	PASSAGE(S)
Lack of power	(Gal 5:16; 1 Thess. 5:19)
Grieving the Holy Spirit	(Eph 4:30-32)
Loss of joy	(Ps. 51:4, 12; Gal. 5:22-23)
Loss of spiritual sight	(2 Pet. 1:8-10; Luke 15:18-19)
Lack of growth	(1 Pet. 2:1-2)
Carnality	(1 Cor 3:1-3)
Unfruitfulness	(John 15:5, 8)
Lack of purpose	(Eccles. 1:2-3, 8; Mark 8:35)
Lack of stability	(Gal. 3:3; 2 Tim. 2:18; 2 Pet. 3:17)

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 30

YIELDING TO THE OLD (SIN) NATURE	
BELIEVER'S CONSEQUENCES	PASSAGE(S)
Conviction	(2 Pet 2:7-8; Ps 32:1-5)
Divine discipline	(Heb. 12:5-11; Rev. 3:19)
Premature death	(Acts 5:1-11; 1 Cor 11:30; 1 John 5:16; Rev 2:22-23)
Loss of reward	(1 Cor. 3:15; 9:27; 2 John 8; Rev 3:11)
Loss of fellowship	(1 John 1:9)
Excommunication	(1 Cor 5:4-5; Matt 18:15-17)
Temporal consequences	(Gal 6:7-8)
Unanswered prayer	(Ps 66:18; 1 Pet 3:7)
Loss of testimony	(Gen 19:14)
Loss of leadership privileges	(1 Tim 3:1-13; 2 Sam. 12)

---

---

---

---

---

---

---


---

Slide 31

### DOOM OF FALSE TEACHERS

V.4-9

- Judgment of God (6-8) – 3 Historical Examples
  - Fallen angels (4)
  - Flood (5)
  - Sodom & Gomorrah (6-8)
- Conclusion (9)**



---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 32

### When Will the Rapture Take Place Relative to the Tribulation Period?

- Pre-tribulation rapture theory
- Mid-tribulation rapture theory
- Post-tribulation rapture theory
- Pre-wrath rapture theory
- Partial rapture theory



---

---

---

---

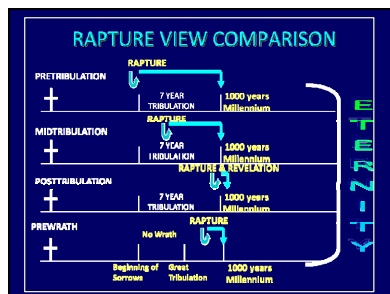
---

---

---

---

Slide 33



---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 34

**2 PETER 2 OUTLINE**

1. Predicted arrival (2:1a)
2. Devices (2:1b-3)
3. Doom (2:4-9)
4. **Depravity (2:10-16)**
5. Emptiness (2:17-19)
6. Regression (2:20-22)

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 35

**DEPRAVITY OF FALSE TEACHERS**  
V.10-16

- Licentious (10a)
- Lawless (10b-11)
- Animalistic (12)
- Shameless pleasure seekers (13)
- Eyes full of adultery (14a)
- Entice unstable souls (14b)
- Greedy (14c-16)



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 36

**DEPRAVITY OF FALSE TEACHERS**  
V.10-16

- **Licentious (10a)**
- Lawless (10b-11)
- Animalistic (12)
- Shameless pleasure seekers (13)
- Eyes full of adultery (14a)
- Entice unstable souls (14b)
- Greedy (14c-16)



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 37

**Mark 7:20-23**

*"20 And He was saying, 'That which proceeds out of the man, that is what defiles the man. 21 For from within, out of the heart of men, proceed the evil thoughts, fornications, thefts, murders, adulteries, 22 deeds of coveting and wickedness, as well as deceit, sensuality, envy, slander, pride and foolishness. 23 All these evil things proceed from within and defile the man."*




---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 38

**DEPRAVITY OF FALSE TEACHERS**  
V.10-16

- Licentious (10a)
- Lawless (10b-11)
- Animalistic (12)
- Shameless pleasure seekers (13)
- Eyes full of adultery (14a)
- Entice unstable souls (14b)
- Greedy (14c-16)




---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 39

**ARROGANCE OF FALSE TEACHERS**  
V.10b-11

- Despise Authority
  - ◆ Slander fallen angels
- Daring and Self-willed




---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 40

**Satan's Progressive Defeat**

1. Initial eviction from heaven (Isa 14:12-15; Ezek 28:12-17)
2. Eden (Gen 3:15)
3. Pre-diluvian world (1 Pet 3:19-20)
4. Cross (John 12:31; 16:11; Col 2:15; Heb 2:14; 1 John 3:8)
5. Mid point of the Tribulation (Rev 12:9)
6. Beginning of millennium (Rev 20:2-3)
7. End of millennium (Rev 20:10)



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 41

**Revelation 20:1-3**

"Then I saw an angel coming down from heaven, holding the key of the abyss and a great chain in his hand. <sup>2</sup>And he laid hold of the dragon, the serpent of old, who is the devil and Satan, and bound him for a thousand years; <sup>3</sup>and he threw him into the abyss, and shut *it* and sealed *it* over him, so that he would not deceive the nations any longer, until the thousand years were completed; after these things he must be released for a short time."



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 42

**DEPRAVITY OF FALSE TEACHERS**  
V.10-16

- Licentious (10a)
- Lawless (10b-11)
- Animalistic (12)
- Shameless pleasure seekers (13)
- Eyes full of adultery (14a)
- Entice unstable souls (14b)
- Greedy (14c-16)



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 43

DEPRAVITY OF FALSE TEACHERS  
V.10-16

- Licentious (10a)
- Lawless (10b-11)
- Animalistic (12)
- Shameless pleasure seekers (13)
- Eyes full of adultery (14a)
- Entice unstable souls (14b)
- Greedy (14c-16)



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 44

DEPRAVITY OF FALSE TEACHERS  
V.10-16

- Licentious (10a)
- Lawless (10b-11)
- Animalistic (12)
- Shameless pleasure seekers (13)
- Eyes full of adultery (14a)
- Entice unstable souls (14b)
- Greedy (14c-16)



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 45

DEPRAVITY OF FALSE TEACHERS  
V.10-16

- Licentious (10a)
- Lawless (10b-11)
- Animalistic (12)
- Shameless pleasure seekers (13)
- Eyes full of adultery (14a)
- Entice unstable souls (14b)
- Greedy (14c-16)



---

---

---

---

---

---

---


---

---

---

Slide 46

**STRUCTURE**



- **2 Peter 1 – Call to maturity**
- 2 Peter 2 – Characteristics of false teachers
- 2 Peter 3 – Doctrine of the false teachers (uniformitarianism)

---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

---

Slide 47

**DEPRAVITY OF FALSE TEACHERS**  
V.10-16



- Licentious (10a)
- Lawless (10b-11)
- Animalistic (12)
- Shameless pleasure seekers (13)
- Eyes full of adultery (14a)
- Entice unstable souls (14b)
- **Greedy (14c-16)**

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 48

**2 PETER 2 OUTLINE**

1. Predicted arrival (2:1a)
2. Devices (2:1b-3)
3. Doom (2:4-9)
4. Depravity (2:10-16)
5. **Emptiness (2:17-19)**
6. Regression (2:20-22)

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---



Slide 49

**EMPTINESS OF FALSE TEACHERS**  
V. 17-19



- Offer Nothing that is Permanently Satisfying
  - ◆ Spring w/o water
  - ◆ Mist

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 50

**2 PETER 2 OUTLINE**

1. Predicted arrival (2:1a)
2. Devices (2:1b-3)
3. Doom (2:4-9)
4. Depravity (2:10-16)
5. Emptiness (2:17-19)
6. Regression (2:20-22)

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 51

**REGRESSION OF FALSE TEACHERS**  
V. 20-22

- Return (20)
- Accountability to God is Greater (21)
- Two illustrations (22)

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 52

REGRESSION OF FALSE TEACHERS  
V. 20-22

- Return (20)
- Accountability to God is Greater (21)
- Two illustrations (22)

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 53

REGRESSION OF FALSE TEACHERS  
V. 20-22

- Return (20)
- Accountability to God is Greater (21)
- Two illustrations (22)

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 54

Matthew 11:20-24

<sup>20</sup> "Then He began to denounce the cities in which most of His miracles were done, because they did not repent. <sup>21</sup> Woe to you, Chorazin! Woe to you, Bethsaida! For if the miracles had occurred in Tyre and Sidon which occurred in you, they would have repented long ago in sackcloth and ashes. <sup>22</sup> Nevertheless I say to you, it will be more tolerable for Tyre and Sidon in the day of judgment than for...



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 55

**Matthew 11:20-24**

...you." <sup>23</sup>And you, Capernaum, will not be exalted to heaven, will you? You will descend to Hades; for if the miracles had occurred in Sodom which occurred in you, it would have remained to this day. <sup>24</sup>Nevertheless I say to you that it will be more tolerable for the land of Sodom in *the* day of judgment, than for you."



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 56

**REGRESSION OF FALSE TEACHERS**  
V. 20-22

- Return (20)
- Accountability to God is Greater (21)
- Two illustrations (22)

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 57

<b>BELIEVER OR UNBELIEVER?</b>	
<b>BELIEVER</b>	<b>UNBELIEVER</b>
<b>Purchased (1)</b>	<b>Dogs/pigs (22)</b>
<b>Knowledge of Christ (20)</b>	<b>Overcome (20)</b>
<b>Believers can sin (1:8-10)</b>	<b>Other unbelievers (4-6)</b>
<b>Examples of Lot and Balaam (7-8, 15-16)</b>	<b>Last state worse than the first (20)</b>
	<b>Darkness reserved (17)</b>

---

---

---

---

---

---

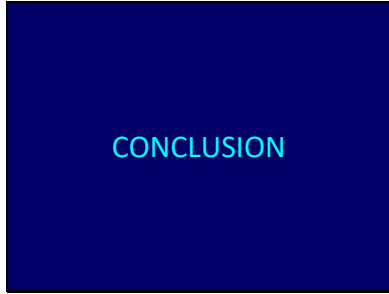
---

---

---

---

Slide 58




---

---

---

---

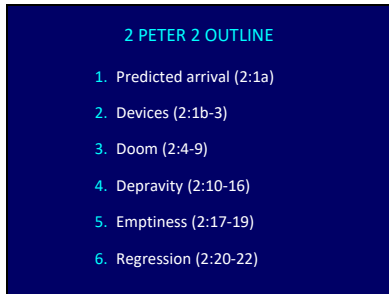
---

---

---

---

Slide 59




---

---

---

---

---

---

---

---

### 3

Matt. 23:25-Woe to you, scribes and Pharisees, hypocrites!  
 For you clean the outside of the cup and of the dish, but inside  
 they are full of **robbery** and self-indulgence.

Ezek. 34:2-“Son of man, prophesy against the shepherds of  
 Israel. Prophesy and say to those shepherds, ‘Thus says the  
 Lord GOD, “Woe, shepherds of Israel who have been feeding  
 themselves! Should not the shepherds feed the flock?”

John 10:11-I am the good shepherd; the good shepherd lays  
 down His life for the sheep.

Mark 10:45-For even the Son of Man did not come to be served, but to serve, and to give His life a ransom for many.

Acts 20:30-and from among your own selves men will arise, speaking **perverse things**, to draw away the disciples after them.

Jas. 3:1-Let not many *of you* become teachers, my brethren, knowing that as such we will incur a stricter judgment.

### **6-8**

Gen. 13:12-Abram settled in the land of Canaan, while Lot settled in the cities of the valley, and moved his tents as far as Sodom.

Gen. 19:1-Now the two angels came to Sodom in the evening as Lot was sitting in the gate of Sodom. When Lot saw *them*, he rose to meet them and bowed down *with his* face to the ground.

Gen. 19:4-6-<sup>4</sup> Before they lay down, the men of the city, the men of Sodom, surrounded the house, both young and old, all the people from every quarter; <sup>5</sup> and they called to Lot and said to him, “Where are the men who came to you tonight? Bring them out to us that we may have relations with them.” <sup>6</sup> But Lot went out to them at the doorway, and shut the door behind him

Gen. 19:14- Lot went out and spoke to his sons-in-law, who were to marry his daughters, and said, “Up, get out of this place, for the LORD will destroy the city.” But he appeared to his sons-in-law to be jesting.

Gen. 19:22-Hurry, escape there, for **I cannot do anything** until you arrive there.” Therefore the name of the town was called Zoar.

Gen. 19:30-38-<sup>30</sup> Lot went up from Zoar, and stayed in the mountains, and his two daughters with him; for he was afraid to stay in Zoar; and he stayed in a cave, he and his two daughters. <sup>31</sup> Then the firstborn said to the younger, “Our father is old, and there is not a man on earth to come in to us after the manner of the earth. <sup>32</sup> Come, let us make our father drink wine, and let us lie with him that we may preserve our family through our father.” <sup>33</sup> So they made their father drink wine that night, and the firstborn went in and lay with her father; and he did not know when she lay down or when she arose. <sup>34</sup> On the following day, the firstborn said to the younger, “Behold, I lay last night with my father; let us make him drink wine tonight also; then you go in and lie with him, that we may preserve our family through our father.” <sup>35</sup> So they made their father drink wine that night also, and the younger arose and lay with him; and he did not know when she lay down or when she arose. <sup>36</sup> Thus both the daughters of Lot were with child by their father. <sup>37</sup> The firstborn bore a son, and called his name Moab; he is the father of the Moabites to this day. <sup>38</sup> As for the younger, she also bore a son, and called his name Ben-ammi; he is the father of the sons of Ammon to this day.

## 9

Luke 17:26-30-<sup>26</sup> And just as it happened in the days of Noah, so it will be also in the days of the Son of Man: <sup>27</sup> they were eating, they were drinking, they were marrying, they were being given

in marriage, until the day that Noah entered the ark, and the flood came and destroyed them all. <sup>28</sup> It was the same as happened in the days of Lot: they were eating, they were drinking, they were buying, they were selling, they were planting, they were building; <sup>29</sup> but on the day that Lot went out from Sodom it rained fire and brimstone from heaven and destroyed them all. <sup>30</sup> It will be just the same on the day that the Son of Man is revealed.

Luke 16:23-24-<sup>23</sup> In Hades he lifted up his eyes, being in torment, and \*saw Abraham far away and Lazarus in his bosom. <sup>24</sup> And he cried out and said, ‘Father Abraham, have mercy on me, and send Lazarus so that he may dip the tip of his finger in water and cool off my tongue, for I am in agony in this flame.’

### 10-11

Rom. 6:12-13-<sup>12</sup> Therefore do not let sin reign in your mortal body so that you obey its lusts, <sup>13</sup> and do not go on presenting the members of your body to sin *as* instruments of unrighteousness; but present yourselves to God as those alive from the dead, and your members *as* instruments of righteousness to God.

Rom. 13:14-But put on the Lord Jesus Christ, and make no provision for the flesh in regard to *its* lusts.

Gal. 5:16-But I say, walk by the Spirit, and you will not carry out the desire of the flesh.

Gal. 5:19-21-<sup>19</sup> Now the deeds of the flesh are evident, which are: immorality, impurity, sensuality, <sup>20</sup> idolatry, sorcery, enmities, strife, jealousy, outbursts of anger, disputes, dissensions, factions, <sup>21</sup> envying, drunkenness, carousing, and things like these, of which I forewarn you, just as I have forewarned you, that those who practice such things will not inherit the kingdom of God.

Rom. 6:21-Therefore what benefit were you then deriving from the things of which you are now ashamed? For the outcome of those things is death.

Rom. 6:23-For the wages of sin is death, but the free gift of God is eternal life in Christ Jesus our Lord.

Jas. 4:7-Submit therefore to God. Resist the devil and he will flee from you.

1 Pet. 5:8-9-<sup>8</sup> Be of sober *spirit*, be on the alert. Your adversary, the devil, prowls around like a roaring lion, seeking someone to devour. <sup>9</sup> But resist him, firm in *your* faith, knowing that the same experiences of suffering are being accomplished by your brethren who are in the world.

Eph. 6:13-Therefore, take up the full armor of God, so that you will be able to resist in the evil day, and having done everything, to stand firm.

## 14

Matt. 5:27-29-<sup>27</sup> “You have heard that it was said, ‘YOU SHALL NOT COMMIT ADULTERY’; <sup>28</sup> but I say to you that everyone who looks at a woman with lust for her has already committed



adultery with her in his heart. <sup>29</sup> If your right eye makes you stumble, tear it out and throw it from you; for it is better for you to lose one of the parts of your body, than for your whole body to be thrown into hell.

2 Sam. 11:1-5- Then it happened in the spring, at the time when kings go out *to battle*, that David sent Joab and his servants with him and all Israel, and they destroyed the sons of Ammon and besieged Rabbah. But David stayed at Jerusalem. <sup>2</sup> Now when evening came David arose from his bed and walked around on the roof of the king's house, and from the roof he saw a woman bathing; and the woman was very beautiful in appearance. <sup>3</sup> So David sent and inquired about the woman. And one said, "Is this not Bathsheba, the daughter of Eliam, the wife of Uriah the Hittite?" <sup>4</sup> David sent messengers and took her, and when she came to him, he lay with her; and when she had purified herself from her uncleanness, she returned to her house. <sup>5</sup> The woman conceived; and she sent and told David, and said, "I am pregnant."